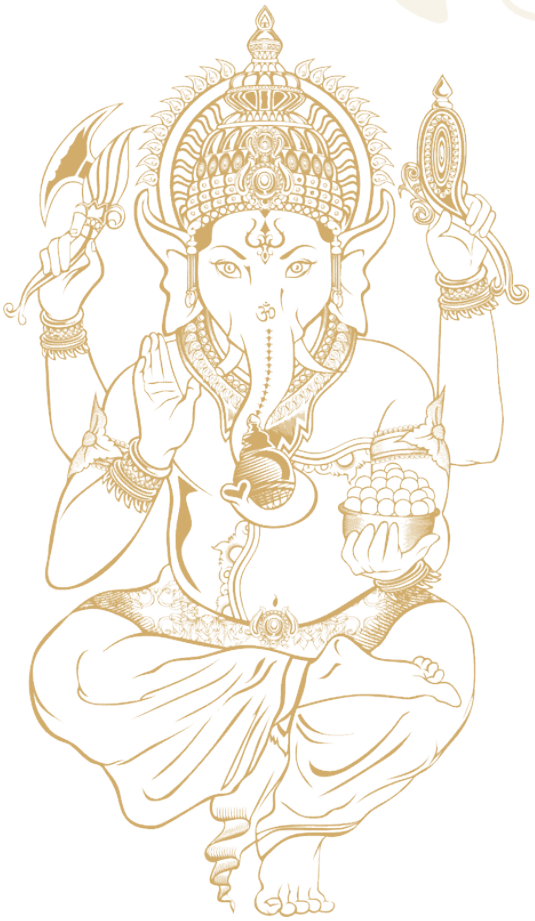

Manoj suthar

03 Sep 2006

09:15 AM

Hanumangarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 120950807

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/09/2006**
दिन	रविवार
जन्म समय	**09:15:00 घंटे**
इष्ट	07:40:28 घटी
स्थान	**Hanumangarh**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	29:33:00 उत्तर
रेखांश	74:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:42:24 घंटे
वेलान्तर	00:00:32 घंटे
साम्पातिक काल	07:30:59 घंटे
सूर्योदय	06:10:48 घंटे
सूर्यास्त	18:52:42 घंटे
दिनमान	12:41:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	16:34:15 सिंह
लग्न के अंश	25:53:16 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	आयुष्मान
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भू-भूपेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	25:53:16	312:58:49	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	---
सूर्य			सिंह	16:34:15	00:58:06	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	13:29:48	13:41:33	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	02:48:57	00:38:33	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	18:26:03	01:54:14	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
गुरु			तुला	19:46:07	00:08:57	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	02:12:57	01:14:03	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			कर्क	24:15:57	00:07:20	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	01:29:04	00:01:23	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	01:29:04	00:01:23	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	18:53:19	00:02:24	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	---
नेप	व		मक	23:51:39	00:01:28	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो	व		धनु	00:07:40	00:00:04	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			मिथु	27:05:15	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:03

लग्न-चलित

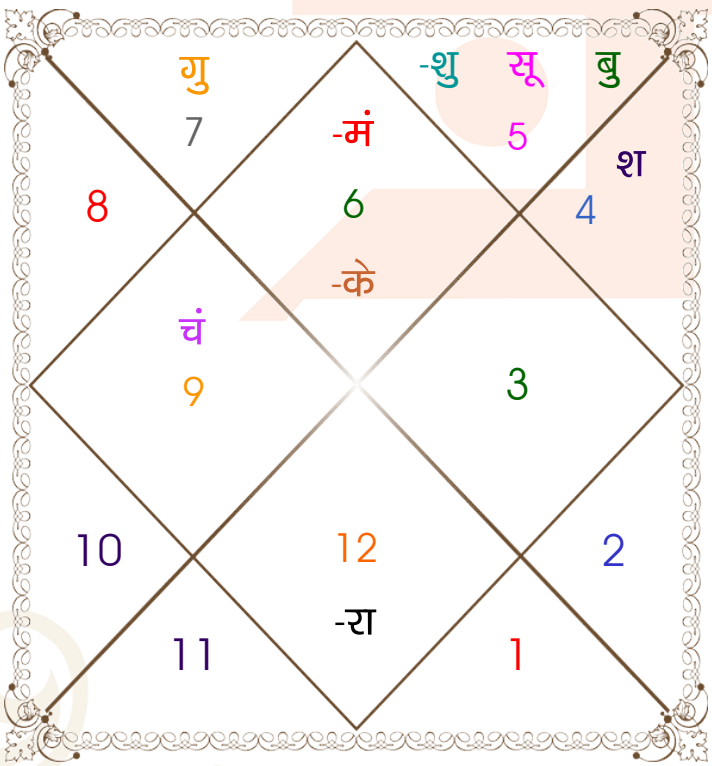

चन्द्र कुंडली

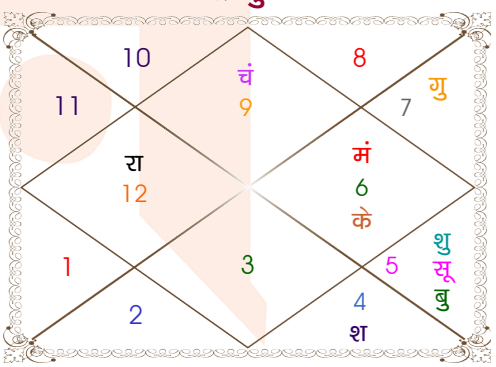

नवमांश कुंडली

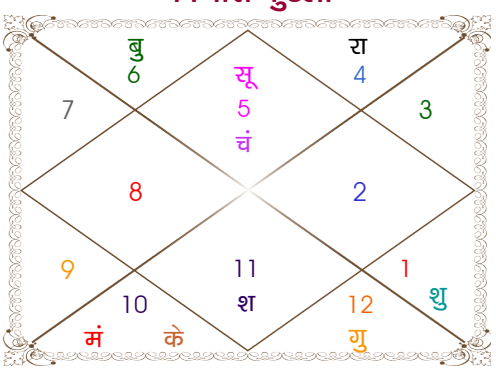

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 19 वर्ष 9 मास 1 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
03/09/2006		05/06/2026		05/06/2032		05/06/2042		05/06/2049	
05/06/2026		05/06/2032		05/06/2042		05/06/2049		06/06/2067	
शुक्र	05/10/2009	सूर्य	23/09/2026	चंद्र	05/04/2033	मंगल	02/11/2042	राहु	16/02/2052
सूर्य	05/10/2010	चंद्र	25/03/2027	मंगल	04/11/2033	राहु	20/11/2043	गुरु	12/07/2054
चंद्र	05/06/2012	मंगल	30/07/2027	राहु	06/05/2035	गुरु	26/10/2044	शनि	18/05/2057
मंगल	05/08/2013	राहु	23/06/2028	गुरु	04/09/2036	शनि	05/12/2045	बुध	05/12/2059
राहु	05/08/2016	गुरु	11/04/2029	शनि	06/04/2038	बुध	02/12/2046	केतु	23/12/2060
गुरु	06/04/2019	शनि	24/03/2030	बुध	05/09/2039	केतु	30/04/2047	शुक्र	24/12/2063
शनि	05/06/2022	बुध	29/01/2031	केतु	05/04/2040	शुक्र	29/06/2048	सूर्य	16/11/2064
बुध	05/04/2025	केतु	06/06/2031	शुक्र	05/12/2041	सूर्य	04/11/2048	चंद्र	18/05/2066
केतु	05/06/2026	शुक्र	05/06/2032	सूर्य	05/06/2042	चंद्र	05/06/2049	मंगल	06/06/2067

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
06/06/2067		06/06/2083		06/06/2102		07/06/2119		06/06/2126	
06/06/2083		06/06/2102		07/06/2119		06/06/2126		00/00/0000	
गुरु	24/07/2069	शनि	08/06/2086	बुध	02/11/2104	केतु	03/11/2119	शुक्र	04/09/2126
शनि	04/02/2072	बुध	16/02/2089	केतु	30/10/2105	शुक्र	02/01/2121		00/00/0000
बुध	12/05/2074	केतु	27/03/2090	शुक्र	30/08/2108	सूर्य	10/05/2121		00/00/0000
केतु	18/04/2075	शुक्र	27/05/2093	सूर्य	07/07/2109	चंद्र	09/12/2121		00/00/0000
शुक्र	17/12/2077	सूर्य	09/05/2094	चंद्र	06/12/2110	मंगल	07/05/2122		00/00/0000
सूर्य	05/10/2078	चंद्र	08/12/2095	मंगल	03/12/2111	राहु	25/05/2123		00/00/0000
चंद्र	04/02/2080	मंगल	16/01/2097	राहु	22/06/2114	गुरु	30/04/2124		00/00/0000
मंगल	10/01/2081	राहु	23/11/2099	गुरु	26/09/2116	शनि	09/06/2125		00/00/0000
राहु	06/06/2083	गुरु	06/06/2102	शनि	07/06/2119	बुध	06/06/2126		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 19 वर्ष 9 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्नोदय काल सिंह नवमांश एवं वृषम द्रेष्काण में हुआ था। इस जन्म लग्नराशयादिक संयोजनों से ऐसा प्रतीत होता है कि आप स्वाभाविक रूप से आनन्दप्रद जीवन व्यतीत करने के लिए सदैव अग्रसर रहेंगे। मुख्यतः आपकी आयु 33 वर्ष से 38 वर्ष के मध्य आपका भाग्योदय होगा तथा आप सुख-संसाधन युक्त होकर जीवन की पराकाष्ठा पर पहुँच जाएंगे।

आप प्रसन्नता पूर्वक द्विगुणित, आनन्द पूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ अति आन्नदातिरेक होकर सुखमय समय व्यतीत करेंगे। आप व्यवहार कुशल व्यक्ति है। आप साहसिक भावनाओं से युक्त होकर अपना व्यवसायिक वृति संचालित करेंगे। आपका स्पष्ट दृष्टिकोण है कि आप अपने लक्ष्य के अनुसार धनी और सम्पन्न होना चाहते हैं।

आप निःसन्देह साहस और पूर्ण शक्तियुक्त होकर विशुद्ध भावना से अपनी महत्वकांक्षा के अनुरूप कार्य सम्पादन करते हैं। परन्तु आप उच्च आय हेतु अपनी दुर्भावनाओं को त्यागकर कार्य करें, अन्यथा आप अधिक धन संग्रह नहीं कर सकेंगे। क्योंकि हर दृष्टिकोण से आप अपनी मनोवृति को अनुकूल करके ही अच्छा जीवन व्यतीत कर सकेंगे। आप अच्छी प्रकार के वस्त्रादि पहनना पसन्द करते हैं । आप अपने मित्रों के साथ सन्तुष्ट रहकर अपने समय को अच्छी प्रकार व्यतीत करना चाहते हैं। आपकी मनोवृति धार्मिक पंथ की ओर प्रवृत है। आप ज्योतिष एवं परा विज्ञान के प्रदर्शित करने की अभिरूचि रखते हैं। आप तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे तथा सामाजिक एवं परोपकारी सेवा भावना के प्रति समर्पित रहेंगे जो असहाय प्राणी आपकी सेवा की अपेक्षा करेंगे। आप उन पर सहानुभूति पूर्वक सहायता करेंगे।

आप अपने व्यवसाय के अतिरिक्त अन्य संबंधित कार्य व्यवसाय भी औरों की अपेक्षा अच्छी प्रकार सम्पादित करेंगे। परन्तु आपको अपने लिए अधिक अनुपयुक्त आनन्दित करने वाले व्यवसाय चयन क्रम में विधिवेता (वकील) वैज्ञानिक अभियन्ता अथवा शैल्य क्रिया करने वाले चिकित्सक का कार्य भी अनुकूल होगा। वैसे व्यवसायों में सामाजिक कार्यों से सम्बंधित यथा वैवाहिक कार्य व्यवस्था विदाई समारोह का आयोजन, खेल-कूद की सामग्री का व्यवसाय भी उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त रेडियो, टी.वी. रत्न एवं स्वर्णाभूषण के व्यवसाय, मोटर पार्ट की दूकान आदि आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

आपकी शारीरिक बनावट उत्तम हृष्ट-पुष्ट मजबूत एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। आप अपने आश्चर्यजनक प्रतिभा से सभी को प्रभावित करेंगे। आप अपने सम्पर्क के साथ पार्टनर से समय-समय पर अपेक्षित वस्तुएं प्राप्त कर लेंगे। इस प्रकार आपका जीवन अतिरिक्त प्रत्याशित आसार उत्तम दृष्टिगोचर हो रहे हैं। आपके पास शान्त वातावरण युक्त सुखद गृह होंगे। जहाँ आप, पत्नी एवं सन्तान सहित सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे। आपके द्वेष युक्त व्यस्तम कार्य सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे। आपके द्वेषयुक्त व्यस्ततम कार्यक्रम के अतिरिक्त कभी आपको अपने परिवार की प्रसन्नता हेतु हर हालात में समय निकालना होगा ताकि आपके पारिवारिक सदस्य सन्तुष्ट रहें।

आप शारीरिक रूप से निःसन्देह स्वस्थ रहेंगे। परन्तु आपके लिए ऐसा निर्देश है कि आप कुछ वर्षो के पश्चात् किडनी एवं मुत्राशय की परेशानी एवं मूत्र जनित रोग से आक्रान्त हो सकते है। इस आशंका के प्रति आपको रक्षात्मक कदम उपयुक्त समय पर उठाना ठीक होगा।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

अंको में आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए स्पष्ट रूप से प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में व्यक्तिगत रूप से पसन्दीदा रंग पीला, हरा एवं सूआपंखी रंग भाग्यशाली है। परन्तु किसी भी दशा में आपके लिए रंग, लाल, काला और नीला रंग प्रतिकूल एवं सर्वथा अनुपयुक्त है।